SWASTIK NEWS

स्वास्तिक न्यूज

सफीदों से प्रकाशित मासिक हिन्दी समाचार पत्र

संपादक : विनय दिवान (मो. 94160-73460) उप संपादक : अभिषेक दिवान (मो. 74047-09000)

swastiknewssafidon@gmail.com | सफीदों | शुक्रवार 15 मार्च, 2024 | वर्ष:03 | अंक :05 | प्रति शुल्क:2/- | RNI No. HARHIN/11380

swastiknews.in | //facebook.com/swastiknews | YouTube swastiknews

स्वास्तिक न्यूज एजेंसी में नाम परिवर्तन, बेदखली और अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

M: 7404709000

M: 9416073460

मैक्स द गुरुकुल : लड़कों के लिए आवासीय स्कूल

स्वास्तिक न्यूज, सफीदों

मैक्स द गुरुकुल एक अंग्रेजी माध्यम, आवासीय स्कूल है जो विभिन्न शहरों से आए हुए छात्रों को पढ़ाई और आत्मनिर्भरता के लिए एक आदर्श स्थल प्रदान करता है।

5वीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक की शिक्षा

यह स्कूल 5वीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक की शिक्षा प्रदान करता है और छात्रों को हॉस्टल सुविधा भी उपलब्ध कराता है। स्कूल कैम्पस एक शांतिपूर्ण और प्राकृतिक वातावरण में स्थित है जो शहर के शोर और प्रदूषण से दूर है। स्कूल की सुविधाएं छात्रों को विशेष शिक्षण के लिए विशेष रूप से तैयार करती हैं।

बड़ा स्कूल भवन और आलोकित कक्षाएं

स्कूल भवन में बड़े और आलोकित कक्षाएं, ज्ञानवर्धक पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रयोगशाला, गणित प्रयोगशाला, पूर्णतः एयर कंडीशनिंग वाले हॉस्टल, स्वच्छ मेस, जर्म फ्री शौचालय, चिकित्सा सुविधा, इंडोर और आउटडोर खेल की सुविधा इत्यादि शामिल हैं।

स्कूल ने विभिन्न ऑलंपियाड्स और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सहायक कार्यक्रम चलाए हैं जिनमें एनडीए, जेईई, नीट, कैट आदि शामिल हैं।

सर्वोत्तम शिक्षा के लिए प्रसिद्ध

मैक्स द गुरुकुल एक आदर्श स्थान है जहाँ छात्रों को अच्छी शिक्षा और संस्कारों के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास के लिए भी उत्कृष्ट वातावरण प्रदान किया जाता है। मैक्स द गुरुकुल गुरुकुलों में सर्वोत्तम शिक्षा के लिए प्रसिद्ध हो चुका है। स्कूल में परिवहन सुविधा भी उपलब्ध है।

कम फीस में ज्यादा सुविधाएं

जब हमने स्कूल का दौरा किया और छात्रों से बात की तो पता चला कि स्कूल में हर बच्चे पर अलग से विशेष ध्यान रखा जाता है। हमने वहां दाखिले के लिए आये हुए अभिभावकों से बात की तो पता चला की स्कूल में दूसरे शिक्षण संस्थानों के मुकाबले कम फीस में ज्यादा सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्कूल में समय - समय पर खेलों का आयोजन भी किया जाता है। हमने स्कूल में पाया कि यह सभी सुविधाओं से सम्पन एक बहुत ही अच्छा शिक्षण संस्थान है, जो की अपनी बेहतर शिक्षा के लिए प्रसिद्ध है।

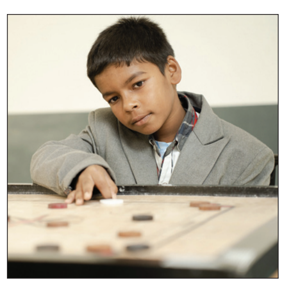

मनोहर लाल के साथ ही सीएम नायब सैनी भी ठोकेंगे चुनावी ताल, लोकसभा के साथ ही हो सकता है उपचुनाव

स्वास्तिक न्यूज संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव होने की संभावना अब कम नजर आने लगी है। निवर्तमान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल विधानसभा सीट से इस्तीफा देकर जिस तरह यह सीट मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उसे देखकर लग रहा है कि लोकसभा चुनाव के साथ करनाल विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया जा सकता है।इस सीट पर नायब सिंह सैनी चुनाव लड़ेंगे। नायब सिंह फिलहाल हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष होने के साथ-साथ कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से सांसद भी हैं। मुख्यमंत्री बनने की तारीख से छह माह के भीतर उनका मुख्यमंत्री बने थे, तब कयास लगाए जा रहे थे कि विधानसभा लोकसभा चुनाव के साथ हो सकते हैं। लेकिन जब मनोहर लाल ने करनाल विधानसभा सीट से इस्तीफा दिया तो इन कयासों को नई दिशा मिलने लगी। नायब सिंह निवर्तमान सीएम मनोहर लाल के बेहद प्रिय सहयोगी हैं और उन्हें करनाल से जिताने के लिए मनोहर लाल पूरी ताकत लगा देंगे। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को यदि नायब सिंह सैनी को विधायक नहीं बनाना होता और लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव कराए जाने का विचार होता तो मनोहर लाल करनाल सीट से इस्तीफा नहीं देते। नायब सिंह सैनी को अगले छह महीने में यानी 11 सितंबर विधायक बनना होगा संविधान के अनुच्छेद 164 (4) के तहत कोई मंत्री (मुख्यमंत्री) चुनाव मनोहर लाल जो निरंतर छह माह की किसी अवधि तक राज्य के विधानमंडल का सदस्य नहीं है, उस अवधि की समाप्ति पर मंत्री नहीं रहेगा। चार माह पूर्व तीन नवंबर 2023 को मौजूदा 14वीं हरियाणा विधानसभा के कार्यकाल के चार साल पूरे हो गए थे। चार नवंबर 2019 को प्रदेश की विधानसभा का पहला अधिवेशन बुलाया गया था। संविधान के अनुच्छेद 172 के अनुसार प्रत्येक राज्य की प्रत्येक विधानसभा, यदि पहले ही विघटित (भंग) नहीं कर दी जाती है तो अपने प्रथम सत्र के लिए नियत तिथि से पांच साल तक बनी रहेगी। इससे अधिक नहीं और पांच वर्ष की अवधि की समाप्ति के साथ ही वह विधानसभा भंग होगी। एडवोकेट हेमंत कुमार कुमार के अनुसार अगर विधानसभा के कार्यकाल के अंतिम वर्ष की अवधि के दौरान किसी ऐसे व्यक्ति को प्रदेश का मुख्यमंत्री या मंत्री नियुक्त किया जाता है, जैसे नायब सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया गया है। जो मौजूदा हरियाणा विधानसभा के सदस्य नहीं हैं, तो उस परिस्थिति में विधिवत रूप से रिक्त हुई किसी विधानसभा सीट पर चुनाव आयोग द्वारा उपचुनाव कराया जा सकता है। वर्ष 1986 का ऐसा ही एक उदाहरण है, जब हरियाणा में मुख्यमंत्री बने बंसीलाल ने तत्कालीन विधानसभा की एक वर्ष से कम अवधि शेष होने के बावजूद तोशाम विधानसभा सीट से उपचुनाव जीता था। 11 सितंबर 2024 से पूर्व नायब सिंह सैनी अगर विधायक नहीं बनते या फिर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव कराने का फैसला लेता है तो उन्हें समय रहते मौजूदा 14वीं हरियाणा विधानसभा को निर्धारित समय से पूर्व तीन नवंबर से पहले भंग कराना होगा ताकि विधानसभा के अगले चुनाव कराए जा सकें।

CAA पर बढ़ रही रार, बयान के बाद सीएम केजरीवाल के घर के बाहर हिंदू शरणार्थियों का प्रदर्शन

स्वास्तिक न्यूज संवाददाता

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीति तेज होने लगी है। भाजपा नेता इसे नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा उठाया गया ऐतिहासिक कदम बता रहे हैं तो वहीं विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। वह इसे लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार द्वारा कदम उठाया गया है। अब इसे लेकर धरना प्रदर्शन की भी शुरूआत होने वाली है। शरणार्थियों ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास के बाहर प्रदर्शन करने की घोषणा की है। दिल्ली में हजारों की संख्या में पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हुए हिंदू व सिख शरणार्थी रहते हैं। सीएए लागू होने से इन्हें नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है। मंगलवार को इनके प्रतिनिधि भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पहुंचकर केंद्र सरकार का आभार जताया था। प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर भी आभार जता रहे हैं।

केजरीवाल ने किया था इस कानून का विरोध

वहीं, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर इस कानून का विरोध किया था। उनका कहना था कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में लाभ उठाने के लिए यह कानून लागू किया है। इससे पड़ोसी देशों से लाखों की संख्या में लोग आएंगे जिससे यहां की व्यवस्था चौपट हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। भाजपा के अन्य नेताओं ने भी मुख्यमंत्री के बयान का विरोध किया है। बृहस्पतिवार को हिंदू व सिख शरणार्थियों के प्रदर्शन की घोषणा से सीएए को लेकर राजनीति और तेज होने की संभावना है।